राज्यपाल सचिवालय
राजभवन,जयपुर

राज्यपाल सम्मेलन

गांधी विचार दर्शन पर विश्वविद्यालयों में पाठयक्रम संचालित हों

गांधी को जानो कार्यक्रम देश भर में चलाये जायें

– राज्यपाल

–

जयपुर, 05 जून। राजस्थान के राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि महात्मा गांधी के वैचारिक दर्शन व जीवन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए पूरे देश में गांधी को जानो कार्यक्रम चलाया जाना चाहिए। श्री सिंह का मानना था कि विश्वविद्यालयों में गांधी विचार दर्शन पर पाठ्यक्रम या प्रश्न पत्र आरम्भ किया जा सकता है।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह मंगलवार को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित राज्यपाल सम्मेलन में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती देश में समारोह पूर्वक मनाये का निर्णय सराहनीय कदम है।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि गांधी जी समय की पाबन्दी के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने कहा कि गांधी जी की इसी भावना के अनुरूप राजस्थान में राज्य विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है। श्री सिंह ने बैठक में सुझाव दिया कि इस प्रणाली को देश भर के विश्वविद्यालयों में लागू किया जा सकता है।

श्री सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के मौके पर अनुसूचित क्षेत्र के जनजाति के लोगों को दो सौ दिवस तक मनरेगा योजना के तहत रोजगार दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांधी पर्यावरण विज्ञान एक्सप्रेस ट्रेन का पुनः संचालन भी गांधी के सिद्वांतों को दूर–दराज के क्षेत्रों में प्रसारित करने में सहयोगी हो सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्शो को दूसरे देश के लोगों तक भी पहुँचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारतीय दूतावासों मे गांधी परिचय केन्द्र संचालित किये जा सकते हैं।

राजभवन मे हर्बल गार्डन

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि राजस्थान के राजभवन में नवाचार किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजभवन में हर्बल गार्डन विकसित किया जा रहा है। राजस्थान के जयपुर व माउण्ट आबू राजभवनों में जैविक विविधता का सर्वेक्षण व प्रलेखन का कार्य भी शुरू किया गया है। श्री सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय धरोहर संरक्षण के तहत राजभवन में जीर्णोद्वार व पुनरूद्वार के कार्य चल रहे हैं।

——

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल